दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 28.03.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 28.03.2026 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग मे विभागीय अकादमिक परीक्षण एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अकादमिक लेखा परीक्षण हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो० विनोद कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर उपस्थित रहे। परीक्षण के दौरान उन्होंने विभाग के शैक्षिक कार्य योजना, आधारभूत संरचना, प्रयोगशाला उपकरण, पाठ्य योजना तथा शिक्षकों के शिक्षण शैली का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कि दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का गौरवशाली इतिहास रहा है। वर्तमान में मेरे स्वयं के साथ तीन अन्य शिक्षक जो दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में शिक्षण कार्य कर रहे हैं उन्होंने अपनी स्नातक की शिक्षा दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर से ही पूर्ण की है। साथ ही वर्तमान में कार्यरत तीनो विभागीय शिक्षक विश्वविद्यालय के एवं मेरे छात्र रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं दीन्दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय दोनों एक–दूसरे के पूरक एवं सहयोगी रहे है। उन्होंने रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय के महत्व को बताते हुए कहा कि यह विषय सामान्य ज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, रणनीति, युद्ध एवं शांति के लिए बहुत ही आवश्यक है। वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थियों ऐसी है जिसके कारण हर व्यक्ति युद्ध के प्रभाव से प्रभावित हो रहा है। अमेरिका इजराइल तथा ईरान के मध्य हो रहे युद्ध से प्रभावित भारत का नागरिक भी हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में इस तरह के परिवर्तन को समझने के लिए आवश्यक है कि हम रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय को गंभीरता से अध्ययन करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि ईरान–अमेरिका युद्ध ने भारत सहित पूरी दुनिया को अपने प्रभाव में ले लिया है। हार्मुज जलमार्ग के अवरोधन ने पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट की स्थिति उत्पन्न कर दी है। वर्तमान युद्ध में प्रयुक्त आधुनिक तकनीको, हाइब्रिड तथा इलेक्ट्रानिक युद्ध कर्म ने युद्ध के स्वरूप एवं भयावहता को परिवर्तित कर दिया है। इसलिए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय की उपयोगिता एवं महत्व बहुत बढ़ गया है। हर व्यक्ति को युद्ध के प्रभावों को समझने की आवश्यकता है क्यों कि वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवश्य प्रभावित हो रहा है।

कार्यक्रम का संचालन भाग तीन के विद्यार्थी आदित्य ओझा ने किया, अतिथि का स्वागत एवं परिचय डॉ अंशुमान सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन विभाग के प्रभारी डॉ० रामप्रसाद यादव ने किया। साथ ही भाग तीन के विद्यार्थियों ने अपने तीन वर्षों के अनुभव को भी साझा किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों का सामूहिक फोटोग्राफी भी कराई गई। कार्यक्रम में विभागीय शिक्षक डॉ शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा राजकुमार भी उपस्थित रहे।

डॉ. (शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क